कामेश्वरसिंह-दरभङ्गा-संस्कृत-विश्वविद्यालयः
दरभङ्गा

प्रकाशितग्रन्थसूची
2023 ई०

"पुस्तकी भवति पण्डितः"

सम्पादकः

प्रो० दयानाथ झाः

व्याकरणविभागीयः प्राचार्यः एवं प्रकाशनप्रभारी

कामेश्वरसिंह-दरभङ्गा-संस्कृत-विश्वविद्यालयः

कामेश्वरनगरम्, दरभङ्गा (बिहारः)

Scanned with OKEN Scanner

कामेश्वरसिंह-दरभङ्गा-संस्कृतविश्वविद्यालय के प्रकाशित ग्रन्थ

1. व्याकरण

1. **कौमुदीमूलार्थविद्योतिनी** - महावैयाकरण दीनबन्धु झा (वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी के मुख्य स्थलों पर सुबोध विस्तृत विचार)-**कारकान्त भाग**-सं0-डा0 शशिनाथ झा — 30.00

2. **समासशक्तिदीपिका**-महावैयाकरण दीनबन्धु झा (हिन्दी व्याख्या सहित) व्याख्याकार-डा0 सदानन्द झा सं0-डा0 शशिनाथ झा — 135.00

3. **पाणिनीयव्याकरणतत्त्वप्रदीपः**-महावैयाकरण दीनबन्धु झा, सं0-डॉ0 कृष्णानन्द झा एवं डा0 शशिनाथ झा — 12.00

4. **उपसृष्टधात्वर्थसंग्रहः**-महावैयाकरण दीनबन्धु झा (कतिपय प्रसिद्ध धातुओं में उपसर्गों के योग से प्रयोग पद्यबद्ध उदाहरण एवम् अर्थनिर्देश) सं0 डा0 शशिनाथ झा — 06.00

5. **परमलघुमञ्जूषा** - नागेश भट्ट (म0म0 शशिनाथ झा-कृत सरला टीका) सं0पं0 रामचन्द्र मिश्र, डॉ0 शशिनाथ झा — 15.00

6. **प्रयोगपल्लवः**-म0म0 भवनाथोपाध्यायः (1525 ई0) विश्वेश्वर मिश्र कृत व्याख्या एवं टेकनित्रिपाठी कृत प्राचीन टिप्पणी सहित। यह श्लोकबद्ध व्याकरण है। इसमें प्रयोग-ज्ञान के लिए मूल शब्द में ही आगम-आदेश-लोप-विधान से काम लिया गया है, प्रकृति-प्रत्यय-विभाग नहीं अपनाया गया है। अतः यह पाणिनि से पूर्ववर्ती किसी व्याकरण पर आधारित हो सकता है।

परिशिष्ट में वैयाकरण **धर्मकीर्त्तिकृत 'प्रयोगमुख'**-व्याख्यासहित **वररुचिकृत प्रयोगसंग्रह**=25 पद्यात्मक व्याकरण एवं **म0म0 परमेश्वर झा कृत प्रयोगदर्पण** ग्रन्थ प्रकाशित हैं। सं0-डा0 शशिनाथ झा — 37.00

7. **ज्ञापकादर्शः**-पं0 मणिनाथ झा (पाणिनीय व्याकरण में सूत्र-वार्तिक आदि के द्वारा ज्ञापित नियमों का बृहत् संग्रह विवेचन के साथ। इन नियमों के द्वारा हजारों शब्दों की सिद्धि होती है। इस विषय का इतना स्पष्ट ग्रन्थ यही है) सं0-डॉ0 शशिनाथ झा — 650.00

8. **लघुशब्देन्दुशेखरः** - नागेश भट्ट
(पं0 ताराकान्त झा कृत हिन्दी व्याख्या सहित)
भाग - 1, पञ्चसन्धिप्रकरणान्त — 48.00
भाग - 2, अजन्तादि-अव्ययान्त — 460.00
भाग - 3, स्त्रीप्रत्यय - कारक — 320.00
2 एवं 3 भागों के सं0 - डॉ0 कृष्णानन्द झा

9. **विभक्त्यर्थ-प्रकाशिका**-म0म0 शशिनाथ झा (सभी विभक्तियों एवं कारकों के अर्थ के सम्बन्ध में व्याकरण-शास्त्रीय विवेचन) सं0-डॉ0 जयमन्त मिश्र — 12.00

10. **उणादिरत्नकौमुदी** - पं0 अर्जुन झा (पञ्चपादी उणादिसूत्रवृत्ति, उणादिप्रत्यय-निष्पन्न शब्दों का कोष जिसमें अर्थ एवं पूर्वाचार्यों के प्रयोग भी संकलित हैं।) 588.00

11. **प्रयोगदर्पणः**-म0म0 परमेश्वर झा (डॉ0 सदानन्द झा कृत हिन्दी भाष्य सहित) सं0-डॉ0 शशिनाथ झा 135.00

12. **पाणिनीयशब्दानुशासनम्** - 'हृद्या' व्याख्योपेतम् - व्याख्याकार-पं0 गोविन्द झा भाग-1- 470.00
भाग-2- 380.00

13. **अष्टाध्यायीसूत्रार्थप्रकाशिका** (सी.डी. सहित)- डॉ0 सुरेश्वर झा 250.00

14. व्या0महाभाष्यमन्थनी (1-2 आह्निकम्)-सत्यव्रत शर्मा 'सुजन' (मूल, 'प्रदीप' एवं हिन्दी विवेचना) - भाग - 1 980.00
सं0डॉ0 दयानाथ झा - भाग - 2 यन्त्रस्थ

15. व्याकरणशास्त्रीयद्वित्वविधिसमीक्षा - डॉ0 शशिनाथ झा 115.00

16. अतिदेशसमीक्षा - डॉ0 सुरेश्वर झा 180.00

17. मध्यसिद्धान्तकौमुदी (समासप्रकरण) - हिन्दी व्याख्याकार - डॉ0 कीर्त्यानन्द प्रचेता 'ताँती' सं0 - डॉ0 सुरेश्वर झा 240.00

2. धर्मशास्त्र

18. **विद्यापति-संस्कृतग्रन्थावली**- प्रथमभाग (हिन्दीव्याख्यासहित) व्याख्याकारसम्पादक-डॉ0 जयमन्त मिश्र एवं डॉ0 इन्द्रकान्त झा (महामहोपाध्याय कविवर विद्यापतिकृत 1. **'विभागसारः'** - धन बँटवारे की व्यवस्था 2. **शैवसर्वस्वसारः** - शिवपूजन-यजन की शास्त्रीय व्यवस्था-यह ग्रन्थ प्रथमतः यहीं प्रकाशित हुआ है।) 75.00

19. **विद्यापति-संस्कृतग्रन्थावली** - द्वितीयभाग (हिन्दी व्याख्यासहित) व्याख्याकार सम्पादक-डॉ0 जयमन्त मिश्र, पं0 आनन्द झा । (म.म. विद्यापतिकृत-
1. 'शैवसर्वस्वसारप्रमाणभूतपुराण-संग्रह:'
2. 'दानवाक्यावली' - दानमाहात्म्य एवं दानों के संकल्प-वाक्य)- 75.00

20. **कुण्डकादम्बरी** - म.म. गोकुलनाथ उपाध्याय (1675 ई.) (यज्ञीय कुण्ड एवं मण्डप बनाने की प्रक्रिया) सं0-पं0 धर्मनाथ झा एवं पं0 कुमुदनाथ मिश्र 20.00

21. **कृत्यप्रदीप:** - म.म. वाचस्पति मिश्र: (सं0 डॉ0 रामसेवक झा एवं पं0 धर्मनाथ झा) 24.00

22. **कृत्यमहार्णव:** - म.म. वाचस्पति मिश्र: (प्रथम वर्षकृत्यखण्डमात्र) सं0-डॉ0 रामसेवक झा 30.00

23. **आचारचिन्तामणि:** - म.म. वाचस्पति मिश्र: (नित्यकृत्य का प्रमाणिक विस्तृत विवेचन) सं0-डॉ0 जयमन्त मिश्र: 35.00

24. **व्यवहारचिन्तामणि:** - म.म. वाचस्पति मिश्र: (न्यायालयीय निर्णयों से सम्बद्ध) सं0-डॉ0 प्रभुनारायण शर्मा 17.00

25. **शुद्धिचिन्तामणि:** - म.म. वाचस्पति मिश्र: सं0-डॉ0 प्रभुनारायण शर्मा 20.00

26. **श्राद्धचिन्तामणि:** - म.म. वाचस्पति मिश्र: सं0-डॉ0 प्रभुनारायण शर्मा 30.00

27. **पितृभक्तितरङ्गिणी** - म.म. वाचस्पति मिश्र: (मुमूर्षु अवस्था से श्राद्धान्त कृत्य। इसके परिशिष्ट में म.म. **अमृतनाथ झा कृत 'प्रायश्चित्तव्यवस्थासारसमुच्चय'** ग्रन्थ भी प्रकाशित है, जो प्रायश्चित्त के विषय में सम्प्रति अत्यन्त उपयोगी है।) सं0-डॉ0 रामसेवक झा 25.00

Scanned with OKEN Scanner

28. **तिथिनिर्णयः** - म.म. राजनाथ मिश्रः (1900 ई0)
ज्यौ0 पं0 श्री रामचन्द्र झा कृत तिथिपरिशिष्ट सहित) 20.00
सजिल्द 24.00

29. **शुद्धिदीपिका** - म.म.कोलेश्वर (1500 ई0) सं0-
ज्यौ0 पं0 श्री रामचन्द्र झा (अशौचशुद्धि, भूशुद्धि, जलशुद्धि, वस्त्रशुद्धि आदि विषयों पर शास्त्रीय निर्णय। इसके परिशिष्ट में **म.म. उमापति कृत 'प्रायश्चित्तनिर्णय'** ग्रन्थ प्रकाशित है।) 25.00

30. **स्मृतितत्त्वसमुच्चयः**-म.म. सचल मिश्रः (1780 ई0)
(धर्मशास्त्रीय विविध उपयोगी वचनों का संग्रह)
सं0-डॉ0 शशिनाथ झा 08.00

31. **स्मृतिदीपिका** - म.म.उमापतिः, सं0-डॉ0 शशिनाथ झा
(धर्मशास्त्र के सभी विषयों का अतिसंक्षिप्त संग्रह)। सामान्य जानकारी हेतु माध्यमिक स्तर के छात्रों के लिए परम उपादेय है।इसके परिशिष्ट में 1. **म.म. उमापतिकृत शुद्धिनिर्णयः** श्रीकृष्णठक्कुरकृत टिप्पणी सहित एवं 2. **डॉ0 शशिनाथ झा** कृत **शुद्धिकौमुदी**-अशौच-जल-भू-हिरण्य-वस्त्र-गृह-अन्न आदि की शुद्धि के निरूपक ग्रन्थ प्रकाशित हैं।) 16.00

32. **गूढार्थदीपिका**-म.म. वामदेव उपाध्याय (1600 ई.)
इसी का नाम **स्मृतिरहस्य** भी है। प्रख्यात मीमांसक के द्वारा धर्मशास्त्रीय नित्य-नैमित्तिक विधियों की समीक्षा में म.म.वाचस्पति मिश्र की भी समालोचना की गई है।)
सं0-डॉ0 जयमन्त मिश्र 35.00

33. समयप्रदीपः - म.म. श्रीदत्तोपाध्यायः (धर्मशास्त्रीय कालविचार) सं0-डॉ0 [illegible] मिश्रः 15.00

34. महादाननिर्णयः - म.म. दामोदर ठक्कुर (1550 ई.) सं0 - पं0 व्रजकिशोर झा 40.00

35. स्मृतितत्त्वविवेकः (शुद्धि एवं व्यवहारमात्र)-म.म. वर्धमानः सं0 - डॉ0 त्रिलोकनाथ झा 210.00

36. तत्त्वनिर्णयः, तिथिनिर्णयः- म.म. पक्षधर उपाध्याय सं0- डॉ0 कृष्णानन्द झा 110.00

37. प्रमाणपल्लवः - म.म. नरसिंह ठक्कुरः (1625 ई0) (धर्मशास्त्र के सभी विषयों पर वचनों का संग्रह) सं0-पं0 धर्मनाथ झा एवं डॉ0 शशिनाथ झा 75.00

38. स्मृतिकौमुदी - म.म. देवनाथ ठक्कुरः (1600 ई0) (धर्मशास्त्रीय सभी विषयों पर समीक्षा) सं0-व्रजकिशोर झा 35.00

39. दुर्गाभक्तितरङ्गिणी - म.म. विद्यापति (डॉ0 काशीनाथ मिश्रकृत हिन्दी अनुवाद सहित) 318.00

40. गृहस्थरत्नाकरः - म.म. चण्डेश्वर ठक्कुरः, व्याख्या-पं.दिगम्बर झा सं0-डॉ0 वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी 390.00

41. विवादरत्नाकरः - म0म0 चण्डेश्वर ठाकुरः सं0 - डॉ0 त्रिलोकनाथ झा 470.00

42. स्त्रीधनमीमांसा - डॉ0 श्रीपति त्रिपाठी 143.00

3. कर्मकाण्ड

43. **वाजसनेयिनां विवाहादिसंस्कारपद्धतिः** - महामहत्तक रामदत्त ठक्कुरः (म.म. परमेश्वर झाकृत टिप्पणी एवं पं0 तेजनाथ झाकृत हिन्दीव्याख्यासहित) द्वितीय संस्करण सं0-डॉ0 लक्ष्मीनाथ झा	यन्त्रस्थ
44. **वाजसनेयि-नित्यकर्मपद्धतिः** - पं0 तेजनाथ झाकृत हिन्दी टीका सहित	
45. **छान्दोगानां विवाहादिसंस्कारपद्धतिः**- महामहत्तक वीरेश्वर ठक्कुरः झाकृत टिप्पणी एवं पं0 तेजनाथ झाकृत हिन्दी व्याख्यासहित)	15.00
46. **कर्मकाण्डमन्त्रार्थप्रदीपः** - म0म0 मुकुन्द झा 'बख्शी,' सं0 - डॉ0 उपेन्द्र झा	260.00
47. **आचारादर्शः**- श्रीदत्तोपाध्यायः हिन्दीव्याख्याकारः- पं0 श्री दिगम्बर झा, सं0-डॉ0 वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी भाग - 1	460.00
भाग - 2	400.00
48. **छन्दोगाह्निकोद्धारः** - म.म. शङ्कर मिश्रः, संक्षिप्त छन्दोगानित्यकृत्य। इसके साथ म.म. श्रीदत्तकृत 'छन्दोगाह्निकम्' रघुनाथकृतव्याख्यासहित प्रकाशित है।) सं0-डॉ0 प्रभुनारायण शर्मा, डॉ0 लक्ष्मीनाथ झा आदि	17.00
49. **छन्दोग-नित्यकर्मपद्धतिः**-पं0 तेजनाथ झा (हिन्दी टीका सहित सदाचार)	15.00
50. **वर्षकृत्यम्-प्रथमो भागः** - रुद्रधरकृतं, जगद्धरपरिष्कृतम्, सं0-ज्यो0 रामचन्द्र झा प्रथमभागः -	210.00
द्वितीयभागः -	यन्त्रस्थः

51. **दुर्गापूजापद्धतिः**- पं0 ताराचरण झा
सं0-डॉ0 रामचन्द्र झा एवं डॉ0 शशिनाथ झा 164.00

4. वेद

52. **वेदवेदाङ्गविज्ञान** - आचार्य सीताराम चतुर्वेदी 150.00

53. **श्रौतोक्त रुद्रविमर्शः** - डॉ0 विनयकुमार मिश्र 305.00

5. तन्त्र

54. **पूजाप्रदीपः** - म.म. गोविन्द ठक्कुरः (1500 ई0)
सं0 डॉ0 जयमन्त मिश्र एवं पं0 रामसेवक झा 25.00

6. न्याय वैशेषिक

55. **आलोकमङ्गलविचारः** - म.म. गोकुलनाथोपाध्यायः
(तत्त्वचिन्तामणि की म.म. जयदेव मिश्रकृत आलोक टीका पर विचार। मूल हस्तलेख के आधार पर छपा है।)-पं0 धर्मनाथ झा एवं पं0 कुमुदनाथ मिश्र 20.00

56. **अनुमितिदीधितिविद्योतः** - म.म. गोकुलनाथोपाध्यायः
(तत्त्वचिन्तामणि की म.म. रघुनाथशिरोमणिकृत दीधिति व्याख्या के अनुमानखण्ड अनुमितिवाद पर विद्योत व्याख्या)
सं0-पं0 रामसेवक झा एवं पं0 धर्मनाथ झा 7.00

57. **अवयवदीधितिविद्योतः** - म.म. गोकुलानाथोपाध्यायः
सं0-पं0 श्री रामसेवक झा 115.00

58. **गोकुलनाथ-ग्रन्थ-गुच्छः** - म.म.गोकुलनाथोपाध्यायः
(दिक्कालनिरूपण, रूढ़िव्याख्यारहस्य, मिथ्यात्वनिरूपण)
सं0-पं0 रामसेवक झा एवं पं0 धर्मनाथ झा 7.00

59. **तत्त्वचिन्तामणौ उपमानरश्मिचक्रम्** - म.म.
गोकुलनाथोपाध्यायः (गङ्गेशोपाध्यायकृत तत्वचिन्तामणि
की व्याख्या रश्मिचक्र, उपमानखण्डमात्र)
सं0-पं0 रामसेवक झा एवं पं0 धर्मनाथ झा 15.00

60. **तर्कसंग्रहः**-अन्नम्भट्टः (गोवर्धनमिश्रकृत 'न्यायबोधिनी'
तथा 'न्यायाबोधिनीसहित-तर्कसंग्रह' की पं0 आनन्द झा
कृत सीता एवं पद्मा संस्कृत हिन्दी विस्तृत व्याख्या
सहित) 40.00

61. **तत्त्वचिन्तामणिः**- म.म. गङ्गेशोपाध्यायः, प्रत्यक्षखण्डे-
मङ्गलवाद-प्रामाण्यवादौ (आलोक, दर्पण, प्रकाश, माधवी,
प्रगल्भी एवं कण्टकोद्धार इन छः प्राचीन मैथिल विद्वानों
की टीकाओं तथा विस्तृत हिन्दी भूमिका से विभूषित)
सं0-पं0 आनन्द झा 125.00

62. **न्यायकुसुमाञ्जलिविवृतिः** - सं0-पं0 रामचन्द्र मिश्रः
(उदयनाचार्यकृत न्यायकुसुमाञ्जलि की अज्ञातकर्तृक
प्राचीन व्याख्या) 12.00

63. **न्यायमञ्जरी** - जयन्त भट्टः
(पं0 आनन्द झा कृत हिन्दी व्याख्या सहित) 1-2 भाग 1020.00
सं०-डॉ० किशोरनाथ झा प्रथम भाग - 510.00
द्वितीय भाग - 510.00

64. **न्यायवैशेषिकवार्तिकम्**- सं0-पं0 श्री अनन्त लाल ठक्कुरः 65.00

65. **तार्किकरक्षा** - वरदराजः (चन्निभट्ट एवं रामेश्वर कृत
व्याख्योपेत) सं0-प्रो0 अनन्तलाल ठाकुर एवं
डॉ0 किशोरनाथ झा 330.00

66. **तत्त्वचिन्तामणि 'प्रभा'** (अनुमान खण्डम्) - म.म. यज्ञपति:, सं0-डॉ0 सच्चिदानन्द मिश्र: 330.00

67. **न्यायवार्तिकतात्पर्यतत्त्वालोक:** - सर्वतन्त्रस्वतन्त्र: बच्चाझा, सं0 - डॉ0 बौआनन्द झा यन्त्रस्थ

68. **विभिन्नदर्शनेषु शब्दस्वरूपविमर्श:** - पं0 रामसेवक झा सं0-डॉ0 शशिनाथ झा यन्त्रस्थ

7. मीमांसा

69. **न्यायरत्नाकर:**-चन्द्रकवि (प्राचीन) कृत मीमांसासूत्रवृत्ति (एकादशाध्यायमात्र) सं0-म.म. डॉ0 उमेश मिश्र दुष्प्राप्य

70. **मीमांसाश्लोकवार्तिकम्**- कुमारिल भट्ट: (पं0 दुर्गाधरझाकृत हिन्दी व्याख्या सहित) द्वितीय संस्करण, सं0-डॉ0 श्रीनारायण मिश्र 555.00

71. **मीमांसासूत्र की हिन्दी व्याख्या** - व्याख्याकार - डॉ0 किशोरनाथ झा
प्रथम भाग 641.00
द्वितीय भाग 620.00

8. वेदान्त

72. **शशिनाथ-निबन्धावली**-प्रख्यात दार्शनिक विद्यावाचस्पति स्व0 शशिनाथ झा के कतिपय निबन्ध इसमें संगृहीत हैं जिनमें 'खण्डनखण्डखाद्य' को श्लोकबद्ध सरल रूप में प्रस्तुत किया गया है एवं वेदान्त के विषय समझाये गये हैं ।) सं0-पं0 रामचन्द्र मिश्र

73. **दर्शनान्तर के परिप्रेक्ष्य में शुद्धाद्वैतवेदान्त-समीक्षा**- डॉ0 अवधनारायण शर्मा 412.00

74. **प्रबोधकादम्बरी** - म.म. गोकुलनाथः,
हिन्दीव्याख्याकारः, डॉ0 चन्द्रनाथ झा 250.00

7. ज्योतिषम्

75. **मासमीमांसा**-म.म. गोकुलनाथोपाध्यायः, सं0-पं0 धर्मनाथ झा 6.00

76. **ग्रहणमाला**-म.म. हेमाङ्गद ठक्कुरः (1600 ई0)
(1660-2400 ई0 पर्यन्त सूर्यचन्द्रग्रहणानां सारिणी)
सं0-डॉ0 व्रजकिशोर झा 20.00

77. **अद्भुतदर्पणः** - म.म. माधवः (1650 ई0) (कदाचित्
दृश्य होनेवाले पुच्छलतारे, रात में सूर्यदर्शन, तीन संतान
एक बार में होना, दाँतवाले शिशु का जन्म लेना आदि
विषयों का विस्तृत वर्णन एवं शान्ति) सं0-पं0 रामचन्द्र
झा एवं पं0 धर्मनाथ झा 45.00

78. **शिशुबोधः** - पं0 कलाधर झा (1850 ई0)
(**नाह्निदत्तकृत पञ्चविंशतिका** एवं पं0 देवचन्द्र झा संकलित
बृहत्परिशिष्ट तथा **हिन्दी व्याख्या** सहित। मुहूर्त्तविषयक
बहुत ही उपयोगी ग्रन्थ है। सं0-पं0 देवचन्द्र झा 15.00

79. **कादम्बिनी** - विद्यावाचस्पति मधुसूदन झा
(मेघवर्षण-योगनिदर्शक ग्रन्थ) सं0-पं0 व्रजकिशोर झा 25.00

80. **सिद्धान्ततत्त्वविवेकः** - कमलाकर भट्टः (पं0 गङ्गाधर
मिश्र कृत वासनाभाष्य सहित) सं0-पं0 श्री वैद्यनाथ
मिश्र, डॉ0 रामचन्द्र झा

	प्रथम भाग	452.00
	द्वितीय भाग	270.00
	तृतीय भाग	270.00
	1-3 भा सम्पूर्ण	992.00

81. **योगयात्रा** - वराहमिहिरः (यात्राविषयक योगों का विवरण) सं0-डॉ0 रामचन्द्र झा 18.00

82. **रत्नशतकम्** - म.म. जीवेश्वरोपाध्यायः (1300 ई0) (मुहूर्त्तग्रन्थ, 'प्रकाश' हिन्दीव्याख्या तथा शुभंकर ठक्कुरकृत तिथिनर्णयसहित) व्याख्याकार-डॉ0 आमोद झा, सं0-डॉ0 शशिनाथ झा 10.00

83. **अनुपातविवेकः** - ज्यो0 पं0 विश्वेश्वर झा, सं0-डॉ0 रामचन्द्र झा 120.00

84. **सिद्धान्तसुधा** - म0म0 परमानन्द ठक्कुरः - सं0 - पं0 रामचन्द्र झा यन्त्रस्थ

85. **सुबोधः (मुहूर्तग्रन्थ)** - म0म0 पक्षधर उपाध्याय, सं0-पं0 भवनाथ झा यन्त्रस्थ

10. छन्द

86. **एकावली** - म.म. गोकुलनाथोपाध्यायः (डॉ0 शशिनाथ झा कृत **'मञ्जुधारिणी'** संस्कृतव्याख्या सहित, प्रसिद्ध छन्दों के लक्षण-उदाहरण के साथ **प्रस्तार** के विषय में अनेक **नवीन प्रयोगों** से अलङ्कृत।) 20.00

11. विज्ञानम्

87. **विज्ञानं समाजश्च** - मूललेखकः-डॉ0 सरयू प्रसाद गुप्तः (हिन्दी भाषा से अनूदित यह ग्रन्थ साहित्य-अकादेमी नई दिल्ली से **पुरस्कृत** हो चुका है। इसमें विज्ञान से समाज को लाभान्वित होने का मार्ग निरूपित किया गया है।) संस्कृतानुवादकः-पं0 गणेश शर्मा 25.00

12. माहात्म्यम्

88. मिथिलामाहात्म्यम् (बृहद्विष्णुपुराणान्तर्गतम्) हिन्दीव्याख्याकारः-पं० धर्मनाथ झा, सं०- डॉ० श्रीपति त्रिपाठी 80.00

13. इतिहासः पुराणम्

89. **मिथिला का इतिहास** - डॉ० रामप्रकाश शर्मा (संशोधित द्वितीय संस्करण) संशोधक-डॉ० शशिनाथ झा 639.00

90. **संस्कृतवाङ्य में बिहार का योगदान** - (प्रथम भाग) डॉ० जयमन्त मिश्र 220.00

91. **पौराणिकसृष्टिक्रमः** (संस्कृत हिन्दी)-आचार्य (डॉ०) तेजनाथ झा 240.00

92. **कालिदास एवं मिथिला**-पं० दिगम्बर झा 750.00

93. **गरुड़पुराणम् (प्रेतकल्पः)**- हिन्दी व्याख्याकारः - डॉ० विद्येश्वर झा (परिष्कृतं संशोधितसंस्करणम्)

14. कृषिः

94. **उपवनविनोदः** - (शार्ङ्गधरपद्धति के अन्तर्गत) इसमें बगीचे में फल-फूल-वृक्ष लगाने की विधि, फल-पुष्प की आकारवृद्धि, खाद, सिंचाई, वृक्ष से वृक्ष की दूरी, एक वृक्ष में अनेक रंगों के फूल (चित्रीकरण) आदि विधि प्राचीन वनस्पतिशास्त्र के अनुसार वर्णित है। वृक्षायुर्वेद प्रकारण भी अवलोकनीय है। हिन्दी व्याख्या के साथ सं०-डॉ० कृष्णानन्द झा 12.00

Scanned with OKEN Scanner

15. कोशः

95. **अमरकोषः** - पं० चन्द्रधारी सिंह कृत 'चन्द्रिका' हिन्दी-अंग्रेजी विवरण एवं सार्थ शब्दसूची सहित — 680.00

16. संस्मरणम्

96. **स्मृतिरेखा** - आचार्य रामचन्द्र मिश्रः (अपने जीवन में विद्वानों से सम्पर्क की मधुरस्मृति) — 15.00

17. भक्तिः

97. **नाममहिमा** - पं० जीवनाथ झा (भगवान्नाम-कीर्त्तनमहिमा शास्त्रानुसार संस्कृत एवं हिन्दी में वर्णित है। इसके साथ ग्रन्थकारकृत याज्ञवल्क्यविजय नाटक संस्कृत एवं मैथिली में पृथक्-पृथक् निबद्ध प्रकाशित है।) सं०-डॉ० शशिनाथ झा — 10.00

18. साहित्यम्

98. **रसमहार्णवः** - म.म. गोकुलनाथोपाध्यायः (लक्षणानिरूपणमात्र। इसी का नाम 'भक्तिविक' भी है। ग्रन्थकारकृत विशालग्रन्थ का यह एक परिच्छेदमात्र है, शेष परिच्छेद अभी तक प्राप्त नहीं हो सके हैं।) सं०-पं० धर्मनाथ झा एवं पं० कुमुदनाथ मिश्र — 06.00

99. **ध्वनिकल्लोलिनी** - पं० आनन्द झा (हिन्दी व्याख्या सहित । इस ग्रन्थ में ध्वन्यालोक प्रथम उद्योत पर एवं व्यक्तिविवेक प्रथम विमर्श पर 1000 श्लोकवार्तिक रचे गये हैं, जिन्हें 'ध्वनिसाहस्री' कहा गया है-प्रथम भाग का नाम ध्वनिसिद्धि और दूसरे भाग का नाम ध्वनिखण्डन है । वार्तिक के आधार स्वरूप मूलग्रन्थ भी हिन्दी व्याख्या के साथ दे दिया गया है । — 462.00

100. **कालिदाससाहित्यम् (समीक्षा)**-सं0-डॉ0 आद्याप्रसाद मिश्र — दुष्प्राप्य

101. **काव्यप्रकाशः** - पण्डितराजमैथिलकृत व्याख्या सहित, सं डॉ0 त्रिलोकनाथ झा - — 340.00

102. **अलंकारप्रदीपः** - पं0 विश्वेश्वर पाण्डेयः, सं0 - डॉ0 देवनारायण झा — 110.00

19. काव्यम्

103. **वैदेहीचरित-महाकाव्यम्**-आचार्य रामचन्द्र मिश्रः — 30.00

104. **मेघदूतम्**-म.म. जगद्धरकृत रसदीपिनीटीकोपेतम् सं0-डॅ0 हषीकेश झा — 12.00

105. **रघुवंशमहाकाव्यम् (मूलमात्रम्, संपूर्णम्)**-कालिदासकृतम् (अलककृतटीकोपेतम्) — 04.00

106. **संस्कृतकाव्यमालिका**-म.म. कृष्णसिंह ठक्कुरः (1900 ई.) खण्डवलाकुलदीपिका, अमरनाथशतकम्, गङ्गाश्रीलहरी इत्यादि काव्यानां संग्रहः) सं0-डॉ0 कृष्णानन्द झा, डॉ0 शशिनाथ झा — 20.00

107. **संस्कृतगीतमालिका**-(वेद से लेकर आजतक रचित कतिपय गीतों का संकलन) भूमिका में गीतकाव्य की परम्परा पर प्रकाश दिया गया है।) सं0-डॉ0 कृष्णानन्द झा, डॉ0 शशिनाथ झा — 15.00

108. **कुमारभार्गवीयम् (चम्पूः)** - भानुदत्तः (1525 ई.) इसका एकमात्र हस्लेख लन्दन के इन्डिया ऑफिस लाइब्रेरी में है, उसके आधार पर सम्पादित होकर प्रकाशित हुआ है। सं0-आचार्य रामचन्द्र मिश्र — 25.00

109. **सुभाषितावली**-सम्पादकः पं0 उपेन्द्र झा विद्यावाचस्पतिः (संस्कृत के प्राचीन एवं नवीन सुभाषित पद्यों का संकलन हिन्दी व्याख्या के साथ) 20.00

110. **स्मृतिसाहस्री**- प्रो0 बुद्धिधारी सिंह 'रमाकर' (मैथिली भाषा में शताधिक विद्वानों का संस्मरण पद्यात्मक) 15.00

111. **भारतीयसर्वस्वम्**-पं0 भोलानाथ मिश्रः (हिन्दीव्याख्यासहित दार्शनिक काव्य) 45.00

112. **राधानयनद्विशती**-म.म. मोहन मिश्रः (संस्कृत-हिन्दी व्याख्या सहित। राधा की आँखों की भङ्गिमा पर दो सौ पद्यों में भावचित्र।) संस्कृतव्याख्याकार-म.म. बालकृष्ण मिश्र, हिन्दी व्याख्याकार-डॉ0 कृष्णानन्द झा एवं डॉ0 लक्ष्मीनाथ झा 15.00

113. **अभिनन्दनमाला**-विविध अवसर पर विशष्टि व्यक्तियों का राजदरभंगा में किये गये अभिनन्दन पद्यों का संग्रह सं0-पं0 रामचन्द्र मिश्र 06.00

114. **खण्डवलाराजविरुदावलीसंग्रहः**-सं0-डॉ0 त्रिलोकानाथ झा 210.00

115. **मैथिलकवीनां लघुकाव्यसंग्रहः** - प्रथमभागः 895.00
सं0-डॉ0 लक्ष्मीनाथ झा, डॉ0 शशिनाथ झा द्वितीय भागः -

116. **निर्झरिणी (कविता)**- पं0 मतिनाथ मिश्र 'मतंग'- 200.00

117. **चन्द्रसंस्कृतरचनावली**-कवीश्वर चन्दा झा- 90.00
सं0- प्रो0 विश्वेश्वर मिश्र -

118. **शिवस्तुतिः** - म0म0 गोकुलनाथ, पं0 जीवन झाकृत संस्कृत व्याख्या हिन्दीव्याख्या - पं0 प्रेमवल्लभ शास्त्री, सं0- डॉ0 काशीनाथ झा- यन्त्रस्थ

20. नाटकम्

119. **कालिदासीयोपरूपकाणां समुच्चयः**-(कालिदास के ग्रन्थों की कथावस्तु पर आधारित अनेक विद्वानों द्वारा

रचित उपरूपक) सं0-म.म. डॉ0 उमेश मिश्र दुष्प्राप्य

120. **पार्वतीपरिणयनाटकम्**-बाणकविः (डॉ0 शशिनाथ झा कृत सुबोधिनी संस्कृतव्याख्योपेतम्) 12.00

121. **शाकुन्तलनाटकम्**-कालिदासः (जीवनाथापरनामक म.म. आँखी झा कृत विवृतिसहितम्) सं0-डॉ0 कृपाकान्त ठाकुरः 15.00

122. **वातावरणनाटकम्-मूललेखकः**-पं0 श्री गोविन्द झा (मैथिली भाषा से अनूदित सामाजिक नाटक) संस्कृतानुवादकः - डॉ0 शशिनाथ झा 12.00

123. **हृत्परिवर्त्तननाटकम्**-पं0 आनन्द झा। राजा भोज के जीवनचरित पर आधारित इस नाटक के साथ नाटककार के दो अन्य रूपक 1. पुनर्मिलनम् (शिवपार्वती-विवाह) एवं 2. दाह्यप्रथोन्मूलनम् (दहेजप्रथा को बन्द करने की काल्पनिक कथा पर आधारित) प्रकाशित हैं। सं0-डॉ0 शशिनाथ झा 8.00

124. **मिथिला-परम्परागत-नाटकसंग्रहः** - (प्रबोधिनी व्याख्योपेतः) (1300 ई. से 1900 ई. तक मिथिला में प्रचलित 'कीर्त्तनीया' नाटकों का संकलन, जहाँ 16 नाटक संगृहीत हैं ।) विस्तृत भूमिकायुक्त 1 से 7 खण्ड सम्पूर्ण । सम्पादक व्याख्याकार-डॉ0 शशिनाथ झा 177.00

इस ग्रन्थ का अलग से सात खण्डों में भी प्रकाशन हुआ है -

1. प्रथमखण्ड - ज्योतिरीश्वरकृत **धूर्त्तसमागम** एवं विद्यापति कृत **गोरक्षविजय** नाटक 19.00
2. द्वितीय खण्ड - **आनन्दविजय** (रामदास) 11.00
3. तृतीयखण्ड - **पारिजातहरण** (उमापति) एवं **उषाहरण** (देवानन्द) 15.00

4. चतुर्थखण्ड - **कृष्णकेलिमाला** (नन्दीपति) 18.00

5. पंचमखण्ड - **रुक्मिणीपरिणय** (रमापति) 30.00

6. षष्ठखण्ड - **गौरीस्वयंवर** (लालकवि), **श्रीकृष्णजन्मरहस्य** (श्रीकान्त), **गौरीप्रणय** (शिवदत्त), **पारिजात** (शिवदत्त), **गौरीस्वयंवर** (कान्हाराम दास) 35.00

7. सप्तमखण्ड-**उषाहरण** (रत्नपाणि), **प्रभावतीहरण** (भानुनाथ), **उषाहरण** (हर्षनाथ), **माधवानन्द** (हर्षनाथ) 40.00

125. **रूपकसमुच्चयः**-म.म. अमरेश्वरः 1300 ई. एवं पं0 ऋद्धिनाथ झा (1950 ई.)-(मैथिली भाषानुवाद सहित धूर्त्तविडम्बन प्रहसन, हिन्दी अनुवादसहित प्रसादोदय दक्षिणामूर्त्ति एवम् अपरप्रवास) सं0-डॉ0 शशिनाथ झा 130.00

21. लौकिकन्यायः

126. **लौकिकन्यायरत्नाकरः**-(अज्ञातकर्तृकः) सं0-आचार्य रामचन्द्र मिश्रः 45.00

22. राजनीतिः

127. **राजनीतिसारः** - म.म. भवनाथोपाध्यायः (1800 ई0) (मैथिलीभाषानुवाद सहितः) सं0-डॉ0 शशिनाथ झा 83.00

23. हस्तलेख विवरण

128. A Discriptive Catalogue of Manuscripts in Raj Darbhanga Library - Dr. B. R. Sharma (1964) 20.00

Scanned with OKEN Scanner

129. **विवरणात्मक हस्तलेख-ग्रन्थसूची-भाग-1**
(का.सिं.द.संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभङ्गा के मातृकाविभाग में संरक्षित प्राचीन पाण्डुलिपियों का विवरण भाग । 95.00

24. त्रैमासिकी संस्कृतपत्रिका 'संस्कृत मनीषा'

विश्वविद्यालय की पत्रिका 'विश्वमनीषा' 1975 ई. से 1994 तक प्रकाशित होती रही। पुनः 2013 से 'संस्कृत मनीषा' नाम से प्रकाशित हो रही है । इसमें विविधशास्त्रों में शोधात्मक लेख प्रकाशित हो रहें हैं ।

वार्षिक मूल्य 240.00

25. संस्कृतमनीषा (त्रैमासिकी) में प्रकाशित ग्रन्थ : -

1. परिभाषामणिमाला (पद्यबद्ध परिभाषेन्दुशेखरः)
 – (म०म० चन्द्रदत्त झा (1790 - 1860)
 वर्ष-13, 2 अंक, 2014 ई०

2. श्रीकृष्णोल्लासकाव्यम् - पं० कृपाकान्त ठाकुर (1924 - 2015)
 वर्ष-13, 3-4 अंक, 2014 ई०

3. प्रशस्तिमाला- म०म० रत्नपाणिः - 14, 1 अंक - 2015 ई०

4. कठोपनिषद् (संस्कृत पद्यमयी व्याख्या) - पं० पीताम्बर झा (1980-1960),
 14, 2 - 3 अंक = 2015 ई०

5. निर्णयार्कः - दैवज्ञ अपूछ झा (1864 - 1940 ई०)
 14,4 अंक = 1915 ई०

Scanned with OKEN Scanner

6. अम्बाष्टकम् - कालिदास, (शब्दभावविलासिनी संज्ञक द्व्यर्थ टीका सहित) टीकाकार - महात्मा सत्यनारायण झा,
15, 1- 3 अंक = 2016 ई०

7. भक्तिसूत्रम् - महात्मा सत्यनारायण झा, वृत्तिकार-
ब्रह्मचारी बलभद्रदासशर्मा । 15, 3- 4 अंक, 2016ई०

8. विष्णुस्तुतिः (वेदान्तदीपिका) - महात्मा सत्यनारायण झा
(1870-1746 ई०) - 15, 3-4 अंक, 2016 ई०

9. बोधविंशतिका, तीर्थपञ्चविशतिका-महात्मा सत्यनारायण झा
15, 3-4 अंक, 2016 ई०

10. कुण्डकादम्बरीसारोद्धारः - म०म० गोकुलनाथोपाध्यायः,
15, 3-4 अंक, 2016 ई०

11. ऊष्मविवेकः - गदसिंहः (1500ई०) - व्याख्या - म०म० परमेश्वर झा
16, 1-2 अंक, 2017 ई०

12. लघुरत्नकोषः - पुरुषोत्तम देवः (1200 ई०) -
16, 1-2 अंक, 2017 ई०

13. जन्मपद्धतिः - मैथिल नीलकण्ठः (1600ई०)
16, 1-2 अंक, 2017 ई०

14. लघुजन्म पद्धतिः - ज्यौ० अपूछ झाः
16, 1 - 2 अंक, 2017 ई०

16. जातकपद्धतिप्रदीपः - ज्यो० बबुआ मिश्र
16, 1-2 अंक, 2017 ई०

17. शशिकलापरिणयनाटकम् - पं० ऋद्धिनाथ झा
16, 3-4 अंक, 2017 ई०

18. पूर्णकामनाटकम् - पं० ऋद्धिनाथ झा
17, 1 - 2 अंक, 2017

19. कमलापूजनकृत्यम् (मेरुतन्त्रोक्तम्)
17, 2 अंक - 2017 ई0

20. भूमिभ्रमणम् - गणपतिः - सं० पं० आमोद झाः
विश्वमनीषा - 7 - 4 = 1985 ई0

26. विश्वविद्यालय पञ्चाङ्ग

विश्वविद्यालय पञ्चाङ्ग का प्रकाशन विगत तीस वर्षों से हो रहा है। बिहार भर के प्रतिष्ठित पण्डितों की सभा द्वारा यह पञ्चाङ्ग प्रमाणित किया जाता है।

प्रत्येक अंक (वार्षिक) 90.00

आगामी प्रकाशन

1. कृत्यचिन्तामणिः (ज्योतिषम्) - म.म. चण्डेश्वर ठक्कुरः
सं0- डॉ0 रामचन्द्र झा

Scanned with OKEN Scanner